Regarding conservation of Hindu religious and cultural heritage sites by Archaeological Survey of India-laid

श्री गोपाल शेट्टी **(**मुम्बई उत्तर**):** भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासतों के पुरातत्त्वीय अनुसंधान तथा संरक्षण के लिये एक प्रमुख संगठन है तथा इसका प्रमुख कार्य राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों का रखरखाव करना है। इसके अतिरिक्त, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के अनुसार यह देश में सभी पुरातत्वीय गतिविधियों को विनियमित करता है।

लेकिन, प्रायः यह देखने में आया है कि आज देश में जितनी भी गुफाए या गुम्बद हैं, वहां पर पहले हिन्दू सभ्यता के मंदिर थे या वहां पर हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए थे। लेकिन, कालांतर में मुगल शासकों और अंग्रेजों ने इनको जीर्णशीर्ण कर दिया। आज संरक्षित सांस्कृतिक धरोहर में नंदी बैल टूटे हुए हैं तो अनेक स्थलों पर अर्द्धनागेश्वर जीर्णशीर्ण स्थिति में है। इनको जीर्णशीर्ण स्थिति में संरक्षित रखने का कोई औचित्य नहीं है।

अतः ए.एस.आई को चाहिए कि जीर्णशीर्ण सांस्कृतिक धराहरों को उन्हें उनका मूल रूप देकर संरक्षित किया जाए। अतः मेरा अनुरोध है कि ए०एस०आई० के अधीन हिन्दू धार्मिक सास्कृतिक धरोहर, जो जीर्णशीर्ण स्थिति में संरक्षित की जा रही है, उन्हें उनका मूल रूप देकर संरक्षित किए जाने हेतु सकारात्मक कदम उठाए।